Online Class Supporting Materials

MALAPPURAM EDUCATIONAL DISTRICT

HINDI (work sheet-2)

हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ।

श्री विनोद कुमार शुक्ल की ' **हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था** ' कविता पर नरेश सक्सेना की टिप्पणी है पाठभाग। कविता पर टिप्पणी लिखते समय किन-किन बातों पर ध्यान देना है इसकी जानकारी पाठभाग से हमें मिलती है।

टिप्पणी पढ़ी आपने ?

तो लिखें .....

1 'हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ' कविता किसकी रचना है ?

- ▢ नरेश सक्सेना की।
- ▢ विनोद कुमार शुक्ल की।
- ▢ प्रभात की।

2 इस कविता के आधार पर इनमें कौन-सी बात कवि की विशेषता नहीं ?

- ▢ रचना में मौलिकता ।
- ▢ कठिन शब्दों से कविता लिखनेवाला।
- ▢ भाषा की अनगढ़ता केलिए विख्यात।
- ▢ काव्य शिल्प के सिद्ध कवि।

3 कविता हमें याद दिलाती है...

- ▢ मनुष्य को मनुष्य की तरह जानने की
- ▢ मनुष्य को नाम से जानने की
- ▢ मनुष्य को नहीं जानने की

4 “ व्यक्ति को मैं नहीं जानता था , हताशा को जानता था ” कवि यहाँ जानने की हमारी जानी-पहचानी रूढ़ियों को तोड़ देते हैं।

यहाँ की जानी-पहचानी रूढ़ि क्या है ?

5 एक व्यक्ति कैसे बैठा था ?

- ▢ खुशी से
- ▢ किसी के इंतज़ार से
- ▢ हताशा से

6 कवि हताश व्यक्ति के पास गया ।क्योंकि...

- ▢ कवि उस व्यक्ति को जानते थे।
- ▢ वह कवि का पडोसी था।
- ▢ कवि उसकी हताशा को जानता था।

7 हताश व्यक्ति ने कवि का हाथ पकड़ा, इसलिए कि...

- ▢ वह कवि को जानता था।
- ▢ वह कवि के हाथ बढ़ाने को जानता था।
- ▢ उसने कवि से सहायता माँगी थी।

8 "हम दोनों साथ चले " कौन-कौन ?

- ▢ हताश व्यक्ति और नरेश सक्सेना।
- ▢ नरेश सक्सेना और विनोद कुमार शुक्ल।
- ▢ हताश व्यक्ति और विनोद कुमार शुक्ल।

9 वे दोनों साथ चलें।क्यों कि ...

- ▢ दोनों एक दूसरे को जानते थे।
- ▢ दोनों साथ चलने को जानते थे।
- ▢ दोनों को एक ही जगह जाना था।

10 कविता में आपको कौन-सी पंक्ति पसंद आई ? क्यों ?

11 ' हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ' कविता का संदेश है ...

- ▢ दो मनुष्यों के बीच मानवीय संवेदना होना ज़रूरी नहीं ,जानकारियाँ ज़रूरी हैं।
- ▢ दो मनुष्यों के बीच मानवीय संवेदना होना ज़रूरी है ,जानकारियाँ ज़रूरी नहीं हैं।
- ▢ दो मनुष्यों के बीच मानवीय संवेदना होना ज़रूरी नहीं ,जानकारियाँ ज़रूरी नहीं है।

12 कविता के आधार पर लिखें कौन-सा आशय सही है और कौन-सा गलत ।

	आशय	सही / गलत
1	हमें व्यक्तियों की हताशा को जानना है ।	
2	व्यक्ति के नाम,पते,उम्र,ओहदे को जानना ज़रूरी है।	
3	हताश व्यक्ति की सहायता करना हमारा दायित्व है।	
4	जानने का अर्थ व्यक्ति के नाम,पते,जाति आदि जानना है।	
5	कविता ,जानना शब्द के रूढ़ीग्रस्त अर्थ को पूरी तरह बदल देती है।	
6	सड़क पर घायल पड़े व्यक्ति की सहायता नहीं करनी है।	
7	असहाय व्यक्ति हमारा हाथ पकड़ना जानता है।	
8	कविता हमें मनुष्य को मनुष्य की तरह जानने का संदेश देती है।	

कविता पर नरेश सक्सेना जी की टिप्पणी देखें , किन-किन सोपानों से गुज़री है ?
हाँ, पहले कवि का परिचय है , रचना का मूल उद्देश्य है , कविता का आशय है और...

कविता पर टिप्पणी लिखते समय इन्हीं बातों पर ध्यान देना है।

इन्हीं बातों पर ध्यान देकर हम भी एक कविता पर टिप्पणी तैयार करें...
पढ़ें श्री . पी मधुसूदनन जी की कविता ' **मैं इधर हूँ** '

Online Class Supporting Materials
MALAPPURAM EDUCATIONAL DISTRICT

मैं इधर हूँ

पी. मधुसूदनन
अनुवाद : इंदुमोहन

खुशबू से और रंगों से
एक फूल बोला - मैं इधर हूँ।
गानों से और लहरियों से
चिडिया बोली - मैं इधर हूँ।

ओ शिशिर ! हवा को भेज दिया कर
बोला समंदर - मैं इधर हूँ।

चाँद ! तुम चाँदनी उड़ेलते रहो
जुगुनू बोले - हम भी है ।

सागर पहाड़ नदियाँ सब कहते हैं
हम इधर हैं ।

रंगों से, आवाज़ों से, लौ से
गंध, लहर सब
यही कहते हैं - मैं इधर हूँ।

मेरे प्रिय साथी
तुम बोलो न, ज़ोर से
मैं इधर हूँ।

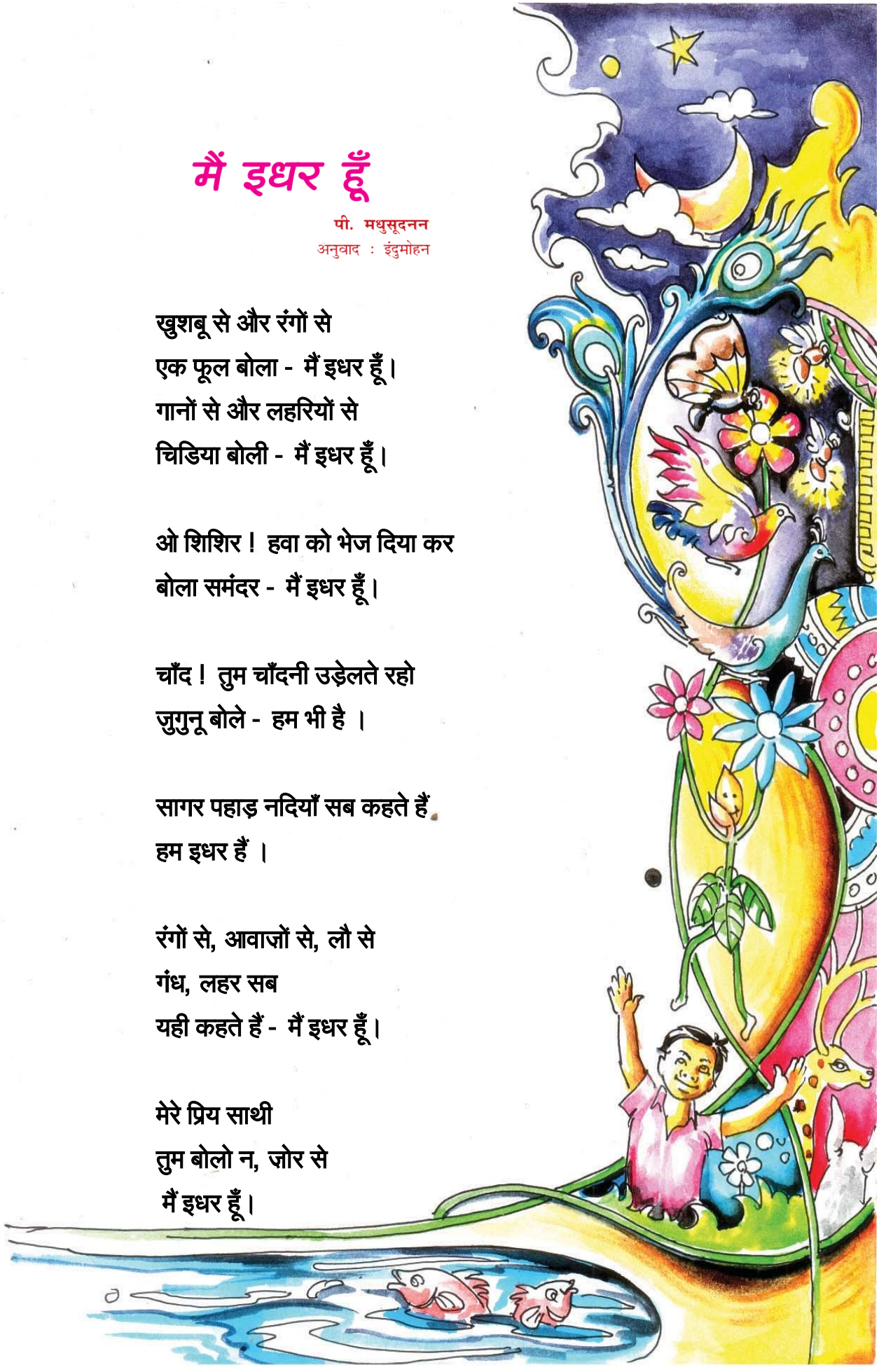

मैं इधर हूँ

पी. मधुसूदनन

अनुवाद : इंदुमोहन

पी. मधुसूदनन का जन्म एरणाकुलम के वलयनचिरङ्ङरा में हुआ। आप 'अबूदाबी शक्ति अवार्ड' और 'केरल बाल साहित्य इंस्टिट्यूट अवार्ड' से सम्मानित हैं। आप श्रीमूलनगरम अकवूर माध्यमिक स्कूल में प्रधानाध्यापक हैं।

കവിത വായിച്ചില്ലേ ? ഇനി ഈ ചോദ്യങ്ങളുടെ ഉത്തരങ്ങൾ മനസ്സിലാക്കാം...

कवि का नाम क्या है ?

कविता से कवि हमसे क्या साबित करने को कहते हैं ? (साबित करना - to prove . തെളിയിക്കുക)

फूल की विशेषतायें क्या-क्या हैं ?

ऐसे चिड़िया, चाँद ,सागर, पहाड़ सबको कोई न कोई विशेषता है न ?

कविता में बार-बार आनेवाला वाक्यँश कौन-सा है ?

" मैं इधर हूँ " बोलने का क्या मतलब है ?

कवि का परिचय, कविता का आशय,भाषा और रचना की विशेषतायें, शीर्षक आदि बातों पर ध्यान दें ...

13 ' **मैं इधर हूँ** ' कविता पर टिप्पणी लिखें । टीचर को दिखायें।

Online Class Supporting Materials
MALAPPURAM EDUCATIONAL DISTRICT